CBSE प्रश्न पत्र 2018
कक्षा 12 हिन्दी (केन्द्रिक)

निर्धारित समय : 3 घण्टे
अधिकतम अंक : 100
सामान्य निर्देश:

i. इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं।
ii. सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं।
iii. विद्यार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर लिखें।

खण्ड क

1. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक 20 - 30 शब्दों में लिखिए : (15)**
हिन्दी के बारे में या उसके विरोध के बारे में जब भी कोई हलचल होती है, तो राजनीति का मुखौटा ओढ़े रहने वाले भाषा व्यवसायी बेनकाब होने लगते हैं। उनकी बेचैनी समझ में नहीं आती। संविधान में स्पष्ट प्रावधानों के बाद भी यह अविश्वास का माहौल बनता क्यों है? यहाँ हम केवल एक ही प्रावधान को याद करें। संविधान के अनुच्छेद 351 में हिन्दी भाषा के विकास के लिए निर्देश देते हुए स्पष्ट कहा गया है : 'संघ का यह कर्तव्य होगा कि वह हिन्दी भाषा का प्रसार बढ़ाए, उसका विकास करे, जिससे वह भारत की सामाजिक संस्कृति के सभी तत्त्वों की अभिव्यक्ति का माध्यम बन सके और उसकी प्रकृति में हस्तक्षेप किए बिना हिन्दुस्तानी और आठवीं अनुसूची में विनिर्दिष्ट भारत की अन्य भाषाओं में प्रयुक्त रूप, शैली और पदों को आत्मसात् करते हुए और जहाँ आवश्यक या वांछनीय हो वहाँ उसके शब्द-भंडार के लिए मुख्यतः संस्कृत से और गौणतः अन्य भाषाओं से शब्द ग्रहण करते हुए उसकी समृद्धि सुनिश्चित करे।'
यही सब देखकर हिन्दी के विषय में अक्सर यह लगने लगता है जैसे संविधान के संकल्पों का निष्कर्ष कहीं खो गया है और हम निर्माताओं के आशय से कहीं दूर भटक गए हैं। सहज ही मन में ये प्रश्न उठते हैं कि हमने संविधान के सपने को साकार करने के लिए क्या किया? क्यों नहीं हमारे कार्यक्रम प्रभावी हुए? क्यों और कैसे अंग्रेज़ी भाषा की मानसिकता हम पर और हमारी युवा एवं किशोर पीढ़ी पर इतनी हावी हो चुकी है कि इसी मिट्टी से जन्मी हमारी अपनी भाषाओं की अस्मिता और भविष्य संकट में प्रतीत होता है। शिक्षा में, व्यापार और व्यवहार में, संसदीय, शासकीय एवं न्यायिक प्रक्रियाओं में हिन्दी और प्रादेशिक भाषाओं को वर्चस्व क्यों नहीं मिल पा रहा?
   i. **भाषा व्यवसायी से क्या अभिप्राय है? उनकी पोल कब खुलने लगती है? (2)**
   ii. **संविधान में 'संघ' से आप क्या समझते हैं? हिन्दी भाषा को लेकर संघ का क्या कर्तव्य बताया गया है? (2)**
   iii. **हिन्दी भाषा के विकास की आवश्यकता क्यों है? (2)**
   iv. **भारत की अन्य भाषाओं से लेखक का क्या तात्पर्य है? यहाँ उनका उल्लेख क्यों हुआ है? (2)**
   v. **'अंग्रेज़ी भाषा की मानसिकता' से क्या तात्पर्य है? उसका क्या परिणाम हो रहा है? (2)**

vi. **यह कैसे कह सकते हैं कि हमारी अपनी भाषा का भविष्य संकट में है? (2)**

vii. **हिन्दी और प्रादेशिक भाषाओं के वर्चस्व से आप क्या समझते हैं? यह कैसे संभव हो सकता है? (2)**

viii. **गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए। (1)**

उत्तर-

i. - भाषा के मुद्दे से लाभ लेने वाले राजनैतिक सोच वाले लोग
- हिंदी के विषय में या उसके विरोध में जब कोई हलचल होती है

ii. - भारत गणतंत्र/भारत सरकार, हिंदी भाषा का प्रसार बढ़ाए और उसका विकास करे

iii. - अंग्रेजी भाषा की मानसिकता से उबरने के लिए
- अपनी भाषा की अस्मिता बचाने और भविष्य के संकट से उबरने के लिए
(अन्य उपयुक्त बिन्दु भी स्वीकार्य)

iv. - हिंदी के अतिरिक्त अन्य वे भाषाएँ जो संविधान में उल्लिखित हैं
- उनके रूप, शैली, शब्द भंडार आदि से हिंदी को सम्पन्न करना

v. - अंग्रेजी भाषा और उसका प्रयोग करने वाले का अधिक महत्व
- मानसिक गुलामी, हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं का भविष्य खतरे में पड़ना

vi. - शिक्षा, व्यापार, सरकारी कार्यालयों और व्यवहार में हिंदी को महत्व न मिलना
- युवा पीढ़ी पर अंग्रेजी मानसिकता हावी

vii. - हिंदी और प्रादेशिक भाषाओं के प्रयोग से विभिन्न क्षेत्रों में उन्हें बढ़ावा मिलना
- शिक्षा, व्यापार एवं दैनिक व्यवहार में अधिक से अधिक प्रयोग करके
(अन्य भी स्वीकार्य)

viii. "हिंदी भाषा", (अन्य उपयुक्त शीर्षक भी स्वीकार्य)

2. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक 20 - 30 शब्दों में लिखिए : (1×5=5)**

सहता प्रहार कोई विवश, कदर्य जीव
जिसकी नसों में नहीं पौरुष की धार है।
करुणा, क्षमा हैं वीर जाति के कलंक घोर
क्षमता क्षमा की शूरवीरों का शृंगार है।
प्रतिशोध से हैं होती शौर्य की शिखाएँ दीप्त
प्रतिशोध-हीनता नरों में महापाप है,
छोड़ प्रीति-वैर पीते मूक अपमान वे ही
जिनमें न शेष शूरता का वह्नि-ताप है
जेता के विभूषण सहिष्णुता-क्षमा हैं किंतु
हारी हुई जाति की सहिष्णुता अभिशाप है।
सेना साजहीन है परस्व हरने की वृत्ति
लोभ की लड़ाई क्षात्र धर्म के विरुद्ध है

चोट खा परंतु जब सिंह उठता है जाग
उठता कराल प्रतिशोध हो प्रबुद्ध है
पुण्य खिलता है चंद्रहास की विभा में तब
पौरुष की जागृति कहाती धर्मयुद्ध है।

i. **क्षमा कब कलंक और कब शृंगार हो जाती है?**
ii. **प्रतिशोध किसे कहते हैं? वह कब आवश्यक होता है?**
iii. **सहिष्णुता को विभूषण और अभिशाप दोनों क्यों माना गया?**
iv. **कैसा युद्ध धर्म के विरुद्ध माना गया है?**
v. **भाव स्पष्ट कीजिए - 'पौरुष की जागृति कहाती धर्मयुद्ध है।'**

उत्तर-

i. - असहाय होकर क्षमा करने पर कलंक
   - क्षमतावान होने पर भी क्षमा करने से शृंगार
ii. - बदला लेना
   - आत्मसम्मान की रक्षा हेतु
iii. - विजयी होकर भी क्षमा करना विभूषण
   - पराजित होकर सहष्णिुता दिखाना अभिशाप है
iv. लोभ और स्वार्थवश किया गया युद्ध
v. पराक्रम व नीति युक्त लड़ाई ही धर्मयुद्ध है

खण्ड ख

3. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए : (5)**
   i. कम्प्यूटर : मेरे जीवन में
   ii. भारत की सामाजिक समस्याएँ
   iii. स्वाभिमान चाहिए, अभिमान नहीं
   iv. विकास के लिए शिक्षा आवश्यक

   उत्तर- आरंभ और समापन -2
   विषय वस्तु -2
   भाषा -1
4. **दूरदर्शन केन्द्र के निदेशक को नवीन साहित्यिक रचनाओं पर कार्यक्रम प्रसारित करने का आग्रह करते हुए लगभग 150 शब्दों में पत्र लिखिए। (5)**

   उत्तर- आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ -1
   विषय वस्तु -3
   भाषा प्रस्तुति -1

5. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक 20 - 30 शब्दों में लिखिए : (1×5=5)**
   i. **'पेज थ्री पत्रकारिता' का आशय समझाइए।**
   ii. **अंशकालिक पत्रकार किसे कहते हैं?**
   iii. **विशेषीकृत पत्रकारिता को संक्षेप में समझाइए।**
   iv. **'बीट' से आप क्या समझते हैं?**
   v. **रेडियो की लोकप्रियता के क्या कारण हैं?**

   उत्तर-
   i. फैशन, ग्लैमर, अमीरों की पार्टियों और लोकप्रिय जाने-माने लोगों के जीवन की जानकारी देने वाली सामग्री
   ii. जो किसी समाचार संगठन के लिए दिए गए काम के अनुसार निश्चित मानदेय पर काम करना
   iii. किसी विशेष क्षेत्र जैसे-कृषि, विज्ञान, तकनीकी, व्यापार आदि की तह में जाकर उसका अर्थ स्पष्ट करना, मुद्दों, समस्याओं का सूक्ष्म विश्लेषण करना, आम पाठक को उसका महत्व बताना
   iv. संवाददाताओं के बीच उनकी जानकारी और रुचि के आधार पर किए गए कार्य-विभाजन
   v. - सस्ता व सुलभ साधन
   - अन्य कार्य करते हुए भी रेडियो का उपयोग संभव
   - व्यापक प्रसार, दूर-दराज के क्षेत्रों तक पहुँच
   - अनपढ़ लोगों के लिए भी उपयोगी
   - अपनी पसंद से कहीं भी, कभी भी सुन सकते है
   (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

6. **'गाँव से मज़दूरों का पलायन' विषय पर लगभग 150 शब्दों में आलेख लिखिए। (5)**

अथवा

हाल ही में पढ़ी यात्रा-वृत्तांतों की किसी पुस्तक की संतुलित समीक्षा लगभग 150 शब्दों में लिखिए।

उत्तर- आलेख लेखन

विषय वस्तु -2

प्रस्तुतीकरण -2

भाषा -1

अथवा

पुस्तक समीक्षा लेखन

पुस्तक व लेखक का नाम -1

विषय-वस्तु -3

भाषा एंव प्रस्तुति -1

7. **'महानगरों में आवास की समस्या' विषय पर लगभग 150 शब्दों में फ़ीचर लिखिए। (5)**

उत्तर- फीचर लेखन

विषय वस्तु -2

प्रस्तुतीकरण -2

भाषा -1

खण्ड ग

8. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक 30 शब्दों में लिखिए : (2×4=8)**

बच्चे प्रत्याशा में होंगे,
नीड़ों से झाँक रहे होंगे-
यह ध्यान परों में चिड़ियों के भरता कितनी चंचलता है।
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है !
मुझसे मिलने को कौन विकल?
मैं होऊँ किसके हित चंचल?
यह प्रश्न शिथिल करता पद को, भरता उर में विह्वलता है।
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है।

i. **किसके बच्चों की बात की गई है, वे नीड़ों से क्यों झाँक रहे हैं?**
ii. **चिड़ियों की उड़ान में गति आने और कवि के शिथिल क़दमों के क्या कारण हो सकते हैं?**
iii. **कवि अपने आप से क्या प्रश्न करता है? क्यों?**
iv. **'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' - कथन की आवृत्ति क्या संकेत करती है?**

उत्तर-

i. - चिड़िया के;
 - माता-पिता और भोजन की प्रतीक्षा में
ii. - चिड़िया को भूखे बच्चों से मिलने की उत्सुकता
 - कवि की प्रतीक्षा करने वाला कोई नहीं
iii. - मुझसे मिलने को कौन बेचैन है, मेरे मन में उत्साह क्यों हो
 - अकेलेपन के कारण
iv. - समय परिवर्तनशील है, गतिमान है

अथवा

छोटा मेरा खेत चौकोना
काग़ज़ का एक पन्ना
कोई अंधड़ कहीं से आया
क्षण का बीज वहाँ बोया गया।
कल्पना के रसायनों को पी
बीज गल गया निःशेष
शब्द के अंकुर फूटे,

पल्लव-पुष्पों से नमित हुआ विशेष।

i. **छोटे खेत और काग़ज़ का रूपक समझाइए।**
ii. **रचना के संदर्भ में 'अंधड़' और 'बीज' से आप क्या समझते हैं?**
iii. **कल्पना को रसायन क्यों कहा गया है?**
iv. **'पल्लव-पुष्पों से नमित हुआ विशेष' - पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।**

उत्तर-

i. - खेत और पन्ना दोनों चौकोर
- खेत में बीज डाल कर फसल उगाते हैं कविता में किसी एक विचार पर कविता लेखन
- अन्न क्षुधापूर्ति करता है, काव्य-रस असीम आनंद प्रदान करता है
(कोई दो बिंदु)
ii. भावों और विचारों की आँधी; उन्हीं भावों विचारों से कविता का निर्माण
iii. जैसे बीज के विकास में रसायन की भूमिका वैसे ही किसी भाव या विचार को विकसित करने में कल्पना की भूमिका महत्वपूर्ण
iv. जैसे पौधा पल्लवित और पुष्पित होकर झुक जाता है और बीज गल जाता है उसी प्रकार कवि का अहम् नष्ट होते ही रचना सर्वजन-हिताय हो जाती है और शब्दों के अंकुर फूटते ही रचना भी नमित हो जाती है

9. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में लिखिए : (2×3=6)**

आँगन में लिए चाँद के टुकड़े को खड़ी
हाथों पे झुलाती है उसे गोद-भरी
रह-रह के हवा में जो लोका देती है।
गूँज उठती है खिलखिलाते बच्चे की हँसी।

i. **काव्यांश की भाषा पर टिप्पणी कीजिए।**
ii. **काव्यांश का भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।**
iii. **प्रयुक्त आलंकारिक सौंदर्य पर टिप्पणी कीजिए।**

उत्तर-

i. - खड़ी-बोली
- हिंदी-उर्दू मिश्रित शब्दावली
- चित्रात्मक भाषा
- चाँद का टुकड़ा जैसे मुहावरों से भाषा में सहजता वा माधुर्य
- लोका देना- आंचलिक शब्द का प्रयोग
- रूबाई छंद
(कोई दो बिंदु स्वीकार्य)
ii. वात्सल्य भाव स्पष्ट, माँ अपने बेटे को गोद में लेकर झुला रही है बच्चा किलकारी मार रहा है, माँ और बेटा दोनों खुश
iii. स्वभावोक्ति अलंकार - माँ द्वारा बच्चे को झुलाना, लोका देना, बच्चे का हँसना, पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार - रह-रह, रूपक

अलंकार-चाँद के टुकड़े

(किन्हीं दो का उल्लेख अपेक्षित)

10. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 - 40 शब्दों में लिखिए : (3+3=6)**
   i. **कवितावली से आपकी पाठ्य-पुस्तक में उद्धृत छंदों के आधार पर सोदाहरण स्पष्ट कीजिए कि तुलसीदास को अपने युग की आर्थिक विषमताओं की अच्छी समझ है।**
   ii. **'कविता के बहाने' कविता में कविता और बच्चे को समानांतर रखने के क्या कारण हो सकते हैं?**
   iii. **बादलों के आगमन से प्रकृति में होने वाले किन-किन परिवर्तनों को 'बादल राग' कविता रेखांकित करती है?**

उत्तर-

i. - किसान के पास खेती के साधन नहीं
   - भिखारी को भीख नहीं
   - नौकर जीविका विहीन
   - व्यापारी का व्यापार चौपट
   - कुछ लोग पेट भरने के लिए अपने बेटा-बेटी बेचते हैं
   (कोई तीन बिंदु स्वीकार्य)

ii. - बच्चों के सपने असीम, कवि की कल्पना असीम
   - बच्चों के खेल सीमाहीन, कविता की उड़ान असीम
   - कविता शब्दों का खेल, बच्चों के खेल में घर-बाहर , ऊँच-नीच आदि में कोई भेद नहीं

iii. - बादलों की गर्जना
   - बिजली का चमकना
   - मूसलाधार वर्षा
   - बीजों का अंकुरण
   - छोटे-छोटे पौधे हवा के चलने से हाथ हिलाते जान पड़ते हैं
   - कमल के फूल से जल की बूँदों का टपकना
   - कीचड. का साफ होना
   (कोई तीन बिंदु स्वीकार्य)

11. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक 30 शब्दों में लिखिए : (2×4=8)**

बाज़ार में एक जादू है। वह जादू आँख की राह काम करता है। वह रूप का जादू है। पर जैसे चुंबक का जादू लोहे पर ही चलता है, वैसे ही इस जादू की भी मर्यादा है। जेब भरी हो और मन ख़ाली हो, ऐसी हालत में जादू का असर खूब होता है। जेब ख़ाली पर मन भरा न हो, तो भी जादू चल जाएगा। मन ख़ाली है तो बाज़ार की अनेकानेक चीज़ों का निमंत्रण उस तक पहुँच जाएगा। कहीं हुई उस वक्त जेब भरी, तब तो फिर वह मन किसकी मानने वाला है ! मालूम होता है यह भी हूँ, वह भी लँ। सभी सामान ज़रूरी और आराम को बढ़ाने वाला मालूम होता है। पर यह सब जादू का असर है

   i. **'बाज़ार में एक जादू है' कथन का क्या आशय है? यह जादू कैसे काम करता है?**
   ii. **इस जादू की मर्यादा क्या है? स्पष्ट कीजिए।**

iii. **मन ख़ाली होने का क्या अर्थ है? इसका परिणाम क्या होता है?**

iv. **मन पर जादू का असर कब और कैसे दिखाई देता है?**

उत्तर-

i. - आकर्षण;
- व्यक्ति को अपनी ओर सम्मोहित करता है
- खरीददारी के लिए ललचाता है

ii. - मर्यादा तब तक जब तक जेब भरी एवं मन खाली हो। मन के भरे होने पर बाजार के जादू का असर नहीं होता

iii. - निश्चित न होना कि वास्तव में क्या खरीदना है ?
- अनावश्यक वस्तुओं की खरीददारी

iv. - जेब भरी व मन खाली
- सारा सामान आवश्यक लगना

12. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक 30 - 40 शब्दों में लिखिए : (3×4=12)**

i. **'काले मेघा पानी दे' के आधार पर जीजी की दृष्टि में त्याग और दान को परिभाषित कीजिए।**

ii. **पहलवान की ढोलक की आवाज़ का पूरे गाँव पर क्या असर होता था? कैसे?**

iii. **आपके विचार से चार्ली चैप्लिन की सर्व-स्वीकार्यता के क्या कारण हो सकते हैं?**

iv. **नमक कहानी की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए।**

v. **शिरीष और महात्मा गाँधी की तुलना किस आधार पर की गई है?**

उत्तर-

i. - परम आवश्यक वस्तु का त्याग ही सर्वोच्च दान है
- मेंढक-मंडली पर चढ़ाया हुआ पानी देवता पर चढ़ाया गया अर्घ्य है जो बाद में कई गुना जल के रूप में मिलता ह

ii. - संजीवनी शक्ति का काम
- मनोबल बढ़ाना
- भय के सन्नाटे को चीरना,
- मृत्यु को सहज भाव से स्वीकार कर पाते थे

iii. - वर्ण और वर्ग व्यवस्था को तोड़ा
- आम आदमी के जीवन के साथ सहज तारतम्य
- आम आदमी की संवेदना से जुड़ा होना
- जीवन की विडंबनाओं और विद्रूपता का संवेदनशील अंकन
- मानवीयता के करीब/दयामय
- कला के एकाधिकार को समाप्त करने के कारण (कोई तीन बिंदु स्वीकार्य)

iv. - भारत-पाक विभाजन की त्रासदी
- विस्थापितों का दर्द/भावनाओं की मार्मिक अभिव्यक्ति
- मातृभूमि के प्रति लगाव का राजनीति से कोई सरोकार नहीं

- अपने-अपने वतन से लगाव व प्रेम को दर्शाना
- राजनीतिक कारणों से जमीन का बँटवारा लेकिन भावनाओं का नहीं (कोई तीन बिंदु स्वीकार्य)

v. - दोनों बाहर से कठोर एवं दृढ़ लेकिन भीतर से कोमल
- प्रतिकूल परिस्थितियों में भी अविचलित
- दोनों हानि-लाभ से परे

13. **भूषण के द्वारा ऊनी ड्रेसिंग गाउन देने पर यशोधर पंत के मन में उत्साह का अभाव किन जीवन मूल्यों की उपेक्षा के कारण दिखाई देता है? बुजुर्ग पीढ़ी हमसे क्या अपेक्षा करती है? (लगभग 150 शब्दों में लिखिए) (5)**

उत्तर- - युवा पीढ़ी द्वारा बुजुर्गों की भावनाओं को नहीं समझ पाना
- भावनाओं की अपेक्षा वस्तु को महत्व देना
- जिम्मेदारियों का अहसास न होना
- आदर, सम्मान, आज्ञापालन, अनुशासन
- उनसे सलाह-मशवरा करने की अपेक्षा
- अन्य मूल्यों का पालन करने की अपेक्षा

(विद्यार्थियों द्वारा दिए गए अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

14. i. **आपके विचार से पढ़ाई-लिखाई के संबंध में 'जूझ' के लेखक और दत्ता जी राव का रवैया सही था या लेखक के पिता का? लगभग 150 शब्दों में तर्क सहित उत्तर दीजिए। (5)**
ii. **"सिंधु-सभ्यता साधन-संपन्न थी, पर उसमें भव्यता का आडंबर नहीं था।" सोदाहरण पुष्टि कीजिए। (लगभग 150 शब्दों में) (5)**

उत्तर-

i. - विद्यार्थियों द्वारा दिए गए उपयुक्त उत्तर स्वीकार्य

ii. - शहर का व्यवस्थित ढाँचा
- मकानों की बनावट में सुविधाओं का ध्यान
- सड़कों की योजनाबद्ध बनावट , उचित चौड़ाई
- ग्रिड शैली
- ढकी नालियाँ
- स्नानागार
- नगर योजना वास्तुकला के अनुरूप
- विशिष्ट जल - व्यवस्था
- अन्न भंडारण
- हथियारों का न मिलना
- महल, मंदिर आदि में भव्यता का दिखाई न देना

(किन्हीं पाँच बिंदुओं का उल्लेख करते हुए उपयुक्त उत्तर स्वीकार्य)